LIBRARY

School of Planning And Architecture ,Bhopal

S.No.44 (December 2024)

नवदुनिया **20***/12/2024*

30 साल में कैसा होगा भोपाल, योजना तैयार करेगा एसपीए

नवदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल आने वाले 30 वर्षों में कैसी होगी, इसको लेकर पहली बार विकास योजना तैयार की जाएगी। जिसके लिए नए संसद भवन की डिजाइन बनाने वाले भौंरी स्थित स्कूल आफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर (एसपीए) से मदद ली जाएगी।

वर्तमान में एसपीए ने ही भोपाल के मेट्रो रूट की प्लानिंग की है, जिसके आधार पर मेट्रो का निर्माण किया जा रहा है। इस प्लानिंग में भोपाल की विरासत को सहेजने सहित शहर को रहने लायक बनाया जाएगा। जिसको लेकर गुरुवार को कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने एसपीए के डायरेक्टर डा. कैलाश राव एम के साथ बठक रखी। जिसमें अगले बीस दिनों में अलग अलग फील्ड के विशेषज्ञों से सुझाव लेने की सहमति बनी।

विकसित भारत के साथ विकसित भोपाल बनाने की कवायद एक बार फिर शुरु हो गई है। जिसके तहत 2047 में भोपाल को कैसा बनाया जाए। जिसमें विकास, सड़कें, रोजगार, विरासत सहेजने सहित अन्य चीजों को शामिल किया जाएगा। जिसके लिए एसपीए को नए भोपाल (यूनिक सिटी) बनाने की प्लानिंग की जाएगी। कलेक्टर ने एसपीए के डायरेक्टर से कहा कि वह जल्द ही यूनिक सिटी की प्लानिंग का काम शुरु कर दें, जिसमें विषय विशेषज्ञों के सुझावों को भी शामिल किया जाए। इसके लिए एक कोर टीम बनाई गई है, जो प्लानिंग की निगरानी करेगी।

कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने भोपाल के विकास की योजना तैयार करने को लेकर स्कूल आफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर के साथ बैठक की। ● सौजन्य जिला प्रशासन

गैसकांड नहीं यूनिक सिटी के रूप में दिखेगा भोपाल : कलेक्टर ने कहा कि भोपाल के 2047 तक के विकास को लेकर जिला प्रशासन, एसपीए और अन्य संबंधित एजेंसियों के संयुक्त दल का गठन किया जाए।

इस प्लानिंग में भोपाल को ऐसा बनया जाना चाहिए कि देश के पटल पर एक यूनिक सिटी के रूप में भोपाल को देखा जा सके। वर्तमान में भोपाल का नाम गैसकांड के नाम से जाना जाता है।

ट्रांसपोर्ट सिस्टम और प्रदूषण मुक्त होगा शहर

इस डवलपमेंट प्लान में इंफ्रास्ट्रक्चर, प्रदूषण मुक्त शहर, बेहतर ट्रांसपोर्ट सिस्टम, सस्टेनेबल डवलपमेंट के साथ ही पर्यावरण संरक्षण को भी प्राथमिकता दी जाएगी। जिसके लिए आगामी 15 से 20 दिनों में संबंधित एजेंसियों के साथ विचार-विमर्श कर प्लानिंग रिपोर्ट तैयार की जाएगी। जिसके आधार पर फील्ड में जाकर शहर की समस्याओं और जरूरतों को सिलसिलेवार चिन्हित कर प्लानिंग में शामिल किया जाएगा।